भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY
☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

जनसंदेश टाइम्स

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 12.12.2018

आईआईटी के एप से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

वाराणसी। देश के किसानों को अपनी जैविक फसलों को बाजार में बेचने के लिए दर-दर भटकना नहीं होगा। बस अपने मोबाइल पर एक एप डाउनलोड करना होगा और उसकी मदद से किसान अपनी फसलों को अच्छे दामों पर खरीददार को बेच सकेंगे। मालवीय नव प्रवर्तन एवं उद्यमिता संवर्धन केंद्र, आईआईटी (बीएचयू) और इंडियन बॉयोगैस एसोसिएशन ने बुरहानी फाउंडेशन इंडिया की मदद से एक बॉयोगैस एप डिजाइन किया है। इस एप के बारे में जानकारी देते हुए एमसीआईआईई के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि इस एप का मुख्य उद्देश्य किसानों को एक ऐसा प्लेफार्म उपलब्ध कराना है जहां से उन्हें उनकी फ़सल के लिए बेहतर खरीदार मिल सकें। इससे किसानों, उद्यमियों की आय में और वृद्धि हो सके। इस एप रजिस्ट्रेशन कराने के लिए विक्रेताओं से कोई शुल्क नहीं

सुविधा

गुणवत्ता वाले उत्पादों को मिलेगा बाजार

'बायोगैस एप' से किसान बेच सकेंगे

जैविक फसल, खाद और ईंधन आदि

लिया जाएगा। एप की टेस्टिंग वाराणसी से शुरू हो रही है। अगले वर्ष इसे आधिकारिक रूप से लांच किया जाएगा।

फिलहाल इस एप से उन किसानों को गुणवत्ता वाले उत्पादों को बेचने पर कीमत मिलने से भंडाराण की समस्या से निजात मिलेगा। बताते चलें कि स्मार्टफोन और नेट की ग्रामीण क्षेत्रों में अगर सुविधा हुयी तो किसानों के दिन बहुरेंगे। ऐसे कई गांव बजार और मार्गसुविधाओं से वंचित होने से किसानों की माली हालत बिगड़ती रही है। इस एप से इस स्थिति से निजात मिलेगी।

डीरेका को रेलमंत्री राजभाषा पदक सम्मान

वाराणसी। राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट एवं व्यापक प्रयोग- प्रसार के लिए डीजल रेल इंजन कारखाना को रेलमंत्री राजभाषा शील्ड एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली स्थित रेल भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान यह पुरस्कार रेलवे बोर्ड के सदस्य एसएन अग्रवाल के हाथों डीरेका के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित मुख्य राजभाषा अधिकारी को प्रदान किया गया।